सम्पादकीय

जल संचयन

वर्तमान समय में बढ़ती आबादी के कारण पानी की उपलब्धता में तेजी से कमी होती जा रही है। अगर समय रहते जल संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में प्रत्येक व्यक्ति के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इसी को देखते हुए हरियाणा सरकार ने जल संरक्षण के प्रयास अभी से तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की दूरगामी सोच के फलस्वरूप हरियाणा सरकार द्वारा जल संरक्षण की दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। जल ही जीवन है और प्रदेश में जल की उपलब्धता कैसे अधिक से अधिक हो, इसके लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री का मानना है कि पानी का प्रबंधन सही हो तो हम पानी को बचा सकते हैं। प्रदेश में कम होते भूजल स्तर और राज्य में पानी की मांग को देखते हुए जल संरक्षण के नए-नए तरीकों की अपनाया जा रहा है। अरावली व शिवालिक की पहाड़ियों में छोटे-छोटे झरनों के माध्यम से व्यर्थ बह रहे पानी को बांध बनाकर संरक्षित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल का कहना है कि तालाब, बावड़ी और झीलों के संरक्षण के लिए बारिश के पानी का संचय किया जाना चाहिए। गौर करने वाली बात है कि देश में मानसूनी वर्षा जल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है लेकिन वर्तमान में वर्षा जल का समुचित संग्रह एवं संचयन न होने के कारण, इसका एक बड़ा हिस्सा बहकर निकल जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने व्यर्थ बह रहे पानी को बांध बनाकर संरक्षित कर वर्षा जल संचयन का बीड़ा उठाया है।

मेरा पानी मेरी विरासत योजना भी जल संरक्षण में काफी अहम

इसके साथ ही जल संरक्षण के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। मेरा पानी मेरी विरासत योजना भी जल संरक्षण में काफी अहम भूमिका निभा रही है। हरियाणा सरकार की इस अनूठी योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। किसानों का रुझान धान जैसी अधिक पानी से तैयार होने वाली फसलों की बजाय अन्य फसलों की ओर बढ़ा है। राज्य में लगभग 37 लाख एकड़ में धान की खेती की जाती है जो गिरते भू-जल स्तर का मुख्य कारण है। हालांकि हरियाणा सरकार की मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत वर्ष 2021 में 32196 किसानों ने 51874 एकड़ क्षेत्र में धान के स्थान पर अन्य फसलों की बुआई की और 7000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि का लाभ लिया। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत धान के स्थान पर कम पानी से तैयार होने वाली अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने पर किसानों को 7 हजार रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

माइक्रो इरिगेशन अपनाने के लिए भी किसानों को प्रोत्साहन

वहीं प्रदेश में किसानों को माइक्रो इरिगेशन अपनाने के लिए भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सूक्ष्म सिंचाई के उपकरणों पर सरकार द्वारा खासा अनुदान दिया जा रहा है। खेत में तालाब निर्माण के लिए किसान को कुल खर्च पर 70 प्रतिशत की सब्सिडी मिलेगी और उसे केवल 30 प्रतिशत राशि ही देनी होगी। इसी तरह 2 एचपी से 10 एचपी तक की क्षमता वाले सोलर पंप की स्थापना के लिए किसान को 25 प्रतिशत राशि देनी होगी।

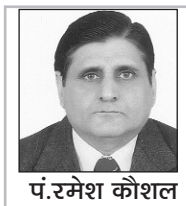

पं.रमेश कौशल
94160-93951

माह मार्च 2022 का राशिफल

वैदिक एवं लाल किताब के स्वयं सिद्ध उपाए

मिलने का समय : सुबह 11 से 2 बजे तक

मिलने से पहले टाइम निर्धारित कर लें।

39, दयालबाग (हनुमान मंदिर के पास), अम्बाला छावनी।

मेष कोर्ट कचहरी में अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। विवेक से कार्य करें। लाभ के अवसर टलेंगे। चिंता रहेगी। लेन-देन में सावधानी बरतें।

वृष विवाद को बढ़ावा न दें। संपत्ति की खरीद-फरोख्त संभव है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति होगी। संपत्ति की खरीद-फरोख्त संभव है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शुभ समय। दूसरों से अपेक्षा न करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

कर्क विवाद व जोखिम उठाने से बचें। लाभ के अवसर टलेंगे। चिंता रहेगी। लेन-देन में सावधानी बरतें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। विवेक से कार्य करें।

सिंह पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भेंट-उपहार मिलेंगे। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के नए स्त्रोत प्राप्त होंगे।

कन्या घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यस्तता रहेगी। फालतू खर्च होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

तुला भेंट-उपहार मिलेंगे। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के नए स्त्रोत प्राप्त होंगे। शुभ समय। दूसरों से अपेक्षा न करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। लाभ में कमी होगी।

वृश्चिक फालतू खर्च होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। लाभ में कमी होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के नए स्त्रोत प्राप्त होंगे। शुभ समय।

धनु राजकीय कोप झेलना पड़ सकता है। जोखिम न उठाएं। रुका हुआ धन मिलेगा। उन्नति होगी। संपत्ति की खरीद-फरोख्त संभव है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। निवेश व यात्रा सफल रहेंगे। चिंता रहेगी।

कुंभ तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। निवेश व यात्रा सफल रहेंगे। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। रुका हुआ धन मिलेगा। उन्नति होगी।

मीन वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन

अम्बाला शहर, 1 मार्च (नितिन कुमार)। मुरलीधर डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, द्वारा प्राचार्य डॉ. आर आर सूरी और स्कूल के विभिन्न विभागों के प्रभारी के मार्गदर्शन में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया। डीएवी कॉलेज से भौतिकी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. वाई यागिक मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों से

शिविर के अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। उन्होंने छात्रों को जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व बताकर प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों से यह भी कहा कि इससे उन्हें समुदाय को बेहतर ढंग से समझने, सामाजिक जिम्मेदारियों, नेतृत्व गुणों को विकसित करने और व्यक्ति को स्वतंत्र और निडर बनाने में मदद मिलेगी। सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनेश खेरा अपनी पत्नी श्रीमती नील कमल खेरा, एक काउंसलर और श्री मनोज सैनी, रेड क्रॉस के कार्यक्रम अधिकारी के साथ मुख्य अतिथि थे। ब्रिगेडियर खेरा ने छात्रों को संबोधित किया और सेना में एक जज के रूप में अपने व्यक्तिगत अनुभव के बारे में चर्चा की।

नील कमल खेड़ा ने छात्रों को रक्षा के प्रति उनके जुनून और रक्षा सेवाओं का पालन करने के लिए आवश्यक कदमों के लिए मार्गदर्शन किया। रेड क्रॉस के मनोज सैनी ने लोगों को विभिन्न श्रेणियों में प्रदान की जाने वाली सामाजिक सेवा को साझा किया। इसने छात्रों को विभिन्न प्रकार की सामाजिक सेवाओं के लिए एक विचार दिया जो वे कर सकते हैं। स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। छात्रों को निर्देशित किया गया विभिन्न रंगों के कूड़ेदानों के प्रयोग के बारे में। छात्रों को गुरुद्वारा के दर्शन के लिए ले जाया गया, जिसने उन्हें सम्मान करने के लिए प्रबुद्ध किया। संदीप चोपड़ा, स्कॉलर के करियर काउंसलर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। छात्रों को विभिन्न धाराओं में बेहतर भविष्य की ओर ले जाने के लिए मार्गदर्शन किया।

हमें गर्व है हम भारतीय हैं

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक **राजकुमार** द्वारा **तपेश प्रिंटर्स**, जाटव पंचायत धर्मशाला एवं मंदिर परिसर, अम्बेडकर नगर, 12 क्रास रोड, अम्बाला छावनी। **प्रेस आफिस** : 166, गांधी मार्केट, अम्बाला छावनी से मुद्रित तथा **कार्यालय** : दिन-प्रतिदिन, सांध्य दैनिक 166, गांधी मार्केट, अम्बाला छावनी से प्रकाशित।

सम्पादक राजकुमार*

टेली-फैक्स का. : 0171-4004488
राजकुमार (मो.) : 94-6665-6665
नितिन कुमार (मो.) : 94160-85522
नीलेश कुमार (मो.) : 99966-59659

*समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार

*समाचारों के प्रकाशन के लिए प्रिंटिंग प्रेस उत्तरदायी नहीं है

कानूनी सलाहकार
अनुराग शर्मा एडवोकेट
(O) 0171-4001052
(M) 98960-10166

समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र अम्बाला होगा

RNI. No.
HARHIN/2004/12676

Postal Regd. No.
HR/AB/23/2019-21

E-mail
dinpratidin@gmail.com

सुरक्षा दिवस का आयोजन

अम्बाला शहर, 1 मार्च (नितिन कुमार)। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज के प्रांगण में प्राचार्य डॉ. राजपाल सिंह की अध्यक्षता तथा कैप्टन डॉ. एस.एस नैन के नेतृत्व में एन.सी.सी कैडेट्स द्वारा विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस का सफल आयोजन किया गया। कैडेट्स के द्वारा विश्व में शांति और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए सामूहिक रूप से शपथ ग्रहण की, यह आह्वाहन किया कि वे सभी व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से सुरक्षा को बनाए रखने में इस कार्य के लिए वचनबद्ध हो। डॉ राजपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व में शांति स्थापना के लिए भारत का नाम समूचे विश्व में अग्रणी स्तर पर लिया जाता है। संत महात्मा और विद्वानों ने सदा ही शांति का संदेश देकर नागरिकों से मिलजुल कर रहने की अपील की।

समाचार पत्र पंजीयन (केंद्रीय) कानून, 1956 आठवें नियम के अंतर्गत अपेक्षित 'दिन प्रतिदिन' अम्बाला नामक समाचार पत्र से संबंधित स्वामित्व तथा अन्य बातों का ब्यौरा :-

प्रपत्र - 4

1. प्रकाशन स्थान - 166, गांधी मार्केट, अम्बाला छावनी
2. प्रकाशन अवधि - सांध्य दैनिक
3. मुद्रक का नाम - राजकुमार
   क्या भारत के नागरिक हैं - हां
   पता - 166, गांधी मार्केट, अम्बाला छावनी
4. प्रकाशक का नाम - राजकुमार
   क्या भारत के नागरिक हैं -हां
   पता - 166, गांधी मार्केट, अम्बाला छावनी
5. सम्पादक का नाम - राजकुमार
   क्या भारत के नागरिक हैं - हां
   पता - 166, गांधी मार्केट, अम्बाला छावनी
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के सांझेदार या हिस्सेदार हों - राजकुमार एकमात्र

मैं राजकुमार एतदद्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 1 मार्च, 2022 **ह. राजकुमार**
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

केवल सौ रुपए सर्विस चार्ज देकर अपना इलैक्ट्रोनिक तराजू रिपेयर करवाएं।

Estd. 1857 *Specialist for Modular Kitchen Accessories*

SUMER CHAND & SONS

Saudagar Bazar, Ambala Cantt.

NEERAJ JAIN 98124-36000
0171-4005000
4007799

Deals in : DIGITAL & Mechanical Weighing Scale, Currency Counting Machine, Canopies, Venetian & Vertical Window Blinds, Paints & Fancy Hardware Fitting, Harrison, Godrej & Link Locks, Water Purifier & R.O. Systems

हमारे यहां दीमक को खत्म करने वाली गारंटी वाली दवाई मिलती है।